तापमान
अधिकतम 32.0 डिग्री
न्यूनतम 26.0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, सोमवार 30 जून 2025

11 33 केवी दनौदा ब्रेक डाउन, बिजली गुल होने...

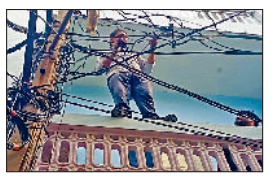

12 माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धासुमन अर्पित करने...

खबर संक्षेप

5.045 ग्राम हेरोइन सहित नशा तस्कर काबू

कैथल। चौकी रामथली पुलिस ने रामथली क्षेत्र से नशा तस्कर को 5.045 ग्राम हेरोइन सहित काबू कर लिया गया। चौकी रामथली पुलिस प्रभारी एएसआई मनीष कुमार की अगुवाई में पीएसआई पंकज की टीम शाम के समय गश्त दौरान थेह खरक मोड के पास मौजूद थी। पुलिस ने गुप्त जानकारी सूचना पर खरकां निवासी रुपाराम उर्फ रुपी को अनाज मंडी के पास हेरोइन सहित काबू किया। पुलिस सूचना उपरांत मौके पर पहुंचे नायब तहसीलदार बंसी लाल के समक्ष तलाशी दौरान आरोपी के कब्जे में 5.045 ग्राम हेरोइन चिट्टा बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ थाना गुहला में मामला दर्ज करके गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी रविवार को अदालत में पेश किया जाएगा।

तालाब से मिला शव

राजौंद। राजौंद के जींद रोड पर स्थित प्राइमरी सरकारी स्कूल के सामने स्थित तालाब में शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर राजौंद थाना प्रभारी राजकुमार व पुलिस भी मौके पर पहुंची। शव की पहचान राजौंद निवासी रामफल वार्ड नं 7 के रूप में हुई है। रविवार सुबह 6 बजे के आसपास तालाब में शव दिखाई दिया। मृतक के पुत्र अमित ने बताया है कि शुक्रवार शाम को उसके पिता से फोन पर बात हुई थी। वह घर आने की बात कह रहे थे। लेकिन 9 बजे के बाद उनका फोन बंद आने लगा और वह घर भी नहीं आए।

फर्जी पहचान पत्र पर कर रहा था रोडवेज में सफर

कैथल। हरियाणा पुलिस के फर्जी पहचान पत्र पर हरियाणा रोडवेज की बस में यात्रा करने के रूप में पुलिस ने युवक पर मामला दर्ज किया है। हरियाणा राज्य परिवहन कैथल के महाप्रबंधक कमलजीत सिंह ने पुलिस को बताया कि विभागीय उड़ान रास्ते में इंस्पेक्टर रणवीर सिंह व बलबीर सिंह जब 26 जनवरी 2025 को तितरम मोड पर बस निरीक्षण के दौरान युवक ने पुलिस पहचान पत्र दिखाया। उसने नाम संदीप बताते हुए कहा कि वह पुलिस में कर्मी है। टीम को फर्जी लगा इसकी जांच करवाई गई तो यह फर्जी पया गया।

मकान के अंदर से कार चोरी केस दर्ज

जींद। शहर में रोहतक रोड स्थित रजवाहा के पास मकान का गेट तोड़ कर अज्ञात लोग कार चोरी कर ले गए। शहर थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ चोरी करने के आरोप में मामला दर्ज कर लिया है। भिवानी रोड विकास नगर निवासी राजकुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 28 जून को उसकी कार रजवाहा रोड स्थित मकान के अंदर खड़ी थी। अज्ञात लोग मकान का गेट तोड़ कर कार चोरी कर ले गए। जांच अधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यूजी के कोर्सों के एडमिशन की लिस्ट जारी

सीआरएसयू ने बढ़ाई एडमिशन फार्म भरने की तिथि, नौ जुलाई तक कर सकेंगे आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

एबीवीपी यूनिवर्सिटी इकाई अध्यक्ष राहुल कक्कड़ ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा एडमिशन फार्म भरने की तिथि को बढ़ा कर अब नौ जुलाई तक कर दिया है । राहुल कक्कड़ ने बताया कि पोस्ट ग्रेजुएशन में केमिस्ट्री, फिजिक्स, जियोग्राफी, मैथमेटिक्स, जूलॉजी, बॉटनी, बायोटेक्नोलॉजी, इंग्लिश, हिंदी, साइकोलॉजी, सोशियोलॉजी, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेटिव, इकॉनिक्स, हिस्ट्री, पॉलिटिकल्स साइंस, मास कम्युनिकेशन, योगा साइंस, म्यूजिक वोकल एंड इंस्ट्रूमेंट, एमबीए, एमसीए, कॉमर्स, फाइन आर्ट्स, मास्टर ऑफ लाइब्रेरी साइंस, बीपीएड, एएलएलएम, बीए एलएलबी पांच साल, एलएलबी कोर्स तीन साल है। इस सबके एडमिशन एंट्रेंस एग्जाम से होंगे। विद्यार्थी अपना फार्म नौ जुलाई तक भर सकते हैं। एबीवीपी नगर मंत्री मयंक बंसल ने बताया कि बीबीए, बीसीए, बीटेक, होटल मैनेजमेंट, इन चार कोर्स के एडमिशन रिजल्ट अनुसार मेरिट के हिसाब से होंगे। नगर मंत्री प्रतीक शर्मा ने बताया कि पोस्ट डिप्लोमा में गाइडेंस एंड कंसलनिंग, स्पेनिश, फ्रेंच भाषा, कम्युनिकेशन स्किल इन इंग्लिश, ट्रांसलेशन इंग्लिश टू हिंदी, योगा साइंस, एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलप्मेंट, डिजिटल मार्केटिंग यह सभी कोर्स एक साल के लिए हैं और सर्टिफिकेट कोर्स इन गुड्स एंड सर्विस टैक्स इनके फार्म विद्यार्थी 15 जुलाई तक भर सकते हैं। एबीवीपी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रोहन सैनी ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा एडमिशन की अंतिम तिथि बढ़ाने से छात्रों के हित में फैसला है। क्योंकि विद्यार्थियों को यूजी कोर्स के 2, 4 सेमेस्टर के री की परीक्षा और 5 सेमेस्टर रिवॉल्यूशन का रिजल्ट का इंतजार है। अभी रिजल्ट पेंडिंग है। यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा दिसंबर 2024 में हुई परीक्षा का कुछ कोर्स का रिजल्ट जारी नहीं हो सका है। जिसमें पीजी 3 सेमेस्टर में मास कम्युनिकेशन, फाइन आर्ट्स, म्यूजिक, मैथ्समैथिक्स, साइकोलॉजी अब इन विद्यार्थियों के नेट के परीक्षा भी देनी है। भिन्न-भिन्न यूनिवर्सिटी में पीजी डिप्लोमा में एडमिशन शुरू होने हैं। यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा फार्म भरने की फीस को बढ़ा दिया गया है। महाविद्यालय ईकाई अध्यक्ष वीरसैन ने बताया कि यूजी के कोर्सों के एडमिशन की लिस्ट जारी हो चुकी है। सभी विद्यार्थियों को अपनी फीस पोर्टल के माध्यम से जमा करवा सकते हैं। सभी 30 जून तक अपनी फीस जमा करवा दें।

दाखिला नही लेने पर छात्र उच्चतर शिक्षा निदेशायल की साइट लॉगइन कर डेफर

यूजी कोर्स के दाखिले को लेकर फीस जमा करवाने का आज अंतिम दिन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

उच्चतर शिक्षा निदेशालय द्वारा यूजी कोर्स के दाखिले को लेकर वीरवार को पहली मेरिट लिस्ट जारी कर दी गई है। इस लिस्ट में जिन भी छात्रों का नाम आया है, उन्हें 30 जून तक हर हाल में दाखिला फीस जमा करवानी होगी।

दाखिला फीस जमा होने पर ही स्नातक प्रथम वर्ष में दाखिले को पक्का माना जाएगा। ऐसे में महाविद्यालयों में यूजी कोर्स में दाखिले को लेकर छात्रों के पास सोमवार तक का समय है। इसके बाद दूसरी मेरिट लिस्ट तीन जुलाई को जारी होगी। जबकि ओपन काउंसलिंग से दाखिले नौ जुलाई से होंगे। रिक्त सीटों को भरने के लिए एडमिशन पोर्टल दस जुलाई से ओपन होगा। दाखिला नही लेना है तो डेफर ऑप्शन को चुनें यदि कोई छात्र दाखिला नही लेना चाहता है तो उसे उच्चतर शिक्षा विभाग की साइट पर जाकर डेफर का ऑप्शन चुनना होगा। यदि दाखिला लेना है तो छात्र को फीस अवश्य जमा करवानी होगी। इसके बाद छात्र अपने दस्तावेजों की वेरिफिकेशन करवा सकता है। हालांकि वेरिफिकेशन के लिए छात्रों के पास समय है लेकिन फीस जमा करवाने का समय सोमवार तक का है। इसलिए जिन छात्रों का नाम प्रथम मेरिट लिस्ट में आया है, उन्हें सोमवार तक हर हाल में फीस जमा करवानी होगी।

हर हाल में जमा करवाएं फीस : प्रो. सत्यवान

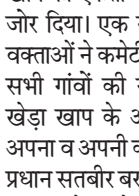

राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सत्यवान मलिक ने कहा कि यूजी कोर्स में दाखिले के लिए पहली मेरिट लिस्ट जारी होने के बाद विद्यार्थियों को चाहिए कि वह निर्धारित समय में फीस भर दाखिला सुनिश्चित करें। यदि निर्धारित समय में फीस जमा नहीं होती तो उनकी सीट रद्द कर दी जाएगी। दूसरी प्रोविजनल मेरिट लिस्ट दो जुलाई तथा फाइनल मेरिट लिस्ट तीन जुलाई को जारी की जाएगी। फार्म में गलती सुधार का अंतिम मौका 10 जुलाई को दिया जाएगा। दाखिले के लिए आवेदन प्रिंटआउट, 10वीं, 12वीं की मार्कशीट, हरियाणा निवासी प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक, आधार कार्ड, परिवार पहचान पत्र, माइग्रेशन और चरित्र प्रमाण पत्र तथा दो पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाना जरूरी होगा।

यह है दाखिले का शेडयूल

पहली मेरिट लिस्ट के बाद सीट खाली रहने पर तीन जुलाई को दूसरी मेरिट लिस्ट जारी होगी। जिन विद्यार्थियों का नाम दूसरी मेरिट लिस्ट में आएगा, वे चार जुलाई से लेकर सात जुलाई तक फीस भर सकेंगे। दो मेरिट लिस्ट के बाद भी अगर कॉलेजों में खाली सीट रह जाती है तो नौ जुलाई को फिजिकल काउंसलिंग शुरू होगी। रजिस्ट्रेशन और विषयों में बदलाव को लेकर उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा दस जुलाई को दोबारा से पोर्टल खोला जाएगा। 11 जुलाई से लेकर 17 जुलाई तक 100 रुपये लेट फीस के साथ विद्यार्थी दाखिला ले सकते हैं। फिर 18 जुलाई से लेकर 24 जुलाई तक पहले वाले 100 रुपये लेट फीस और 100 रुपये हर रोज लेट फीस भर कर विद्यार्थी दाखिला ले सकेंगे।

जींद से गोहाना रूट पर बसों में किराया घटा

गोहाना के अब 50 नहीं 45 रुपये देने होंगे, टोल प्लाजा हटने से फायदा

किराया कम होने से 20 से ज्यादा गांवों के यात्रियों को होगा फायदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जींद से सोनीपत रूट पर गोहाना तक जाने वाले यात्रियों के लिए खुशखबरी है। बसों में गोहाना जाने वाले यात्रियों को पहले जींद से गोहाना तक 50 रुपये देने पड़ते थे लेकिन अब गोहाना तक का किराया 45 रुपये देने होंगे। सभी रोडवेज और प्राइवेट बस परिचालकों को नया घटा हुआ किराया लेने के निर्देश दिए गए हैं। जींद से गोहाना के बीच की दूरी 44 किलोमीटर है। इसलिए किराया 45 रुपये बनता है लेकिन लुदाना के पास टोल प्लाजा बना हुआ था और टोल रेट के अतिरिक्त पांच रुपये जोड़ कर किराया 50 रुपए निर्धारित किया हुआ था। अब जींद-गोहाना रोड के समानांतर बने नए जींद-सोनीपत ग्रीनफील्ड नेशनल हाईवे पर टोल प्लाजा बनाया गया है। इसलिए इस पुराने हाईवे से टोल प्लाजा हटा दिया गया था। इसके बाद अब दोबारा से किराया भी पांच रुपये कम कर दिया गया है।

जींद से गोहाना के बीच ये रहेगा किराया

जींद से पिंडारा, रधाना तक के पांच रुपये, सिंध्वीखेड़ा, निडानी के 10 रुपये किराया निर्धारित हुआ है। निडाना मोड़ और ललितखेड़ा के 15 रुपये, लुदाना के 20 रुपये किराया देना होगा। इससे आगे जींद से भंभेवा का 25 रुपये, खेड़ाखेड़ी का 30 रुपये, बुटाना का 30 रुपये गोहाना का 45 रुपये किराया निर्धारित किया गया है। पहले जींद से हर जगह के पांच रुपये किराया अतिरिक्त देना पड़ता था। प्राइवेट बस यूनियन के प्रधान अजय ने कहा कि रोडवेज ने बिना सर्वे किए ही किराया निर्धारित कर दिया। जींद से बुटाना की दूरी 34.3 किलोमीटर है जबकि रोडवेज ने यह दूरी 32 किलोमीटर दिखा कर किराया 30 रुपये निर्धारित कर दिया है। किलोमीटर के हिसाब से जींद से बुटाना का किराया 35 रुपये होना चाहिए।

अतिरिक्त चार्ज को वापस लिया

जींद बस अड्डा के डीआई जसमेर खटकड़ ने बताया कि डिपो से जाने वाली बसों का किराया पांच रुपये कम कर दिया गया है। टोल हटाने के बाद अतिरिक्त चार्ज के निर्णय को वापस लिया गया है। किराया कम होने से इस रूट के 20 से ज्यादा गांवों के यात्रियों को फायदा होगा तो दूसरे यात्रियों को भी राहत मिलेगी।

खेड़ा खाप की एकता के लिए सतबीर पहलवान ने की पहल

सतबीर पहलवान ने अपने प्रधान पद से दिया इस्तीफा

उचाना। खेड़ा खाप की पंचायत कसूहन चबूतरे पर रविवार को आयोजित हुई। पंचायत की अध्यक्षता सर्वसम्मति से खटकड़ गांव के सरपंच सतबीर खटकड़ ने की। पंचायत में वक्ताओं ने अपने विचार रखे। सभी ने खाप की एकता के लिए पुरजोर प्रयास करने की बात पर जोर दिया। एक खाप एक प्रधान बनाने के लिए सभी वक्ताओं ने कमेटी गठित करने की बात स्वीकृत की और सभी गांवों की संयुक्त कमेटी बनाई। महापंचायत में खेड़ा खाप के अध्यक्ष सतबीर पहलवान बरसोला ने अपना व अपनी कार्यकारिणी का इस्तीफा सौंपा। खाप के प्रधान सतबीर बरसोला ने बताया कि खाप की अहमियत समाज में विशेष होती थी। परंतु विघटन के कारण समस्या सामने आ रही है।

उन्होंने आगे बताया की मैं इस खाप का सदस्य होने के नाते भविष्य में भी खाप की सेवा करता रहूंगा। महासचिव कृष्ण खटकड़ ने पिछले कुछ समय से हो रही बयानबाजी की निंदा करते हुए सभी से शांति बरतने की अपील की। अशोक आर्य ने खाप के द्वारा पिछले नौ वर्षों में किए गए कार्यों को सभी के समक्ष रखा। महापंचायत के अध्यक्ष सतबीर सरपंच ने बताया कि खाप महापंचायत में पहुंचे समस्त 25 गांवो कीं खाप सरदारी ने फैसला लिया है कि खेड़ा खाप जो अलग-अलग गुटों में बंटी हुई है, उन सभी गुटों से विचार विमर्श कर 27 जुलाई को एक बार फिर से पंचायत की जाएगी और खाप की एकता के प्रयास किए जाएंगे। संदीप बड़ोदा, बलराज खटकड़ ने भी विचार रखते हुए कहा कि हम सबका एकमात्र उद्देश्य खेड़ा खाप के लिए एक प्रधान व एक कमेटी का चुनाव करना है। जिस तरह सतबीर पहलवन बरसोला ने आगे बढ़कर अपना इस्तीफा सौंप दिया है, उसी तरह अन्य सभी प्रधान व कार्यकारिणीयों को भी इसमें पहल करते हुए खाप सरदारी को अपना इस्तीफा सौंप देना चाहिए।

इस मौके पर अनिल सरपंच बरसोला, जीत बड़ौदी, रेशम सरपंच बड़ोदा, रामकुमार पूर्व सरपंच चांदपुर सुशील नरवाल चांदपुर, उदय भौंसला, सुरेश, मनोज बधाना, हवा सिंह करसिंधु, मेवा करसिंधु, जीता खापड़, अनिल सुदकैन खुर्द, बलवान नेहरा, करण सिंह लोधर, वीरेंद्र छापड़ा मौजूद रहे।

उचाना। खाप की एकता को लेकर प्रधान पद से दिए इस्तीफे की जानकारी देते सतबीर पहलवान बरसोला। फोटो :हरिभूमि

किसान के हत्यारोपियों की गिरफ्तारी में जुटी पुलिस

ईंट मारकर कर दी थी हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

मृतक बलजीत

गांव जलालपुरा खुर्द के खेतों में शुक्रवार रात को शराब पीने के दौरान हुए झगड़े में की गई व्यक्ति की हत्या में आरोपितों की गिरफ्तारी को लेकर तीन टीमें हत्यारों के संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। जिला पुलिस की सीआईए, डिटेक्टिव और सदर थाना की टीमें दबिश दे रही हैं। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपितों को काबू कर लिया जाएगा। गौरतलब है कि शुक्रवार रात को गांव जलालपुर खुर्द के खेतों में गांव के ही 42 वर्षीय व्यक्ति बलजीत उर्फ बादल की की ईंटें मार कर हत्या कर दी थी। उसका शव सुबह उसके खेत में पड़ा मिला था। उसके सिर और मुंह पर ईंटों के गहरे निशान मिले थे। पास ही खून से सनी ईंट भी पड़ी मिली है। पास में शराब और बीयर की बोतल भी पड़ी हुई थी। परिजनों के अनुसार बलजीत उर्फ बादल शुक्रवार शाम अपने घर से निकला था। इसके बाद देर रात तक नहीं लौटा। सुबह परिजनों को खेत में उसका खून से लथपथ शव मिला था। परिजनों ने प्रदीप और उसके भाई विजय तथा हिमांशु पर हत्या का आरोप लगाया था। हालांकि विजय रात को खेत से घर लौट गया था। उसके बाद हिमांशु और बलजीत गांव के शराब ठेके से शराब की बोतल लेकर वापस खेत में आ गए थे। इसके बाद शनिवार सुबह बलजीत उर्फ बादल का शव खेत में पड़ा मिला था। मृतक की बाइक और फोन गायब हैं। पुलिस ने मृतक इस मामले में हिमांशु, प्रदीप और विजय के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया था। सदर थाना प्रभारी पूजा ने बताया कि तीन लोगों को नामजद किया है।

हरियाणवी संस्कृति को और अधिक बुलंदियों पर ले जाने की जरूरत : राठी

■ सात दिवसीय एनएसएस कैंप में स्वयंसेवकों ने बहाया पसीना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जींद। शिविर के दौरान मौजूद मुख्यअतिथि।

डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल पुलिस लाइन में चल रहे सात दिवसीय राज्य स्तरीय एनएसएस कैंप के छठे दिन मुख्यअतिथि रूप में हरियाणवी कलाकार जगबीर राठी पहुंचे। विशिष्ट मेहमान के रूप डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी सुरेंद्र खटकड़ व शमशेर अहलावत रहे। हरियाणवी कवि जगबीर राठी ने बच्चों को युवावस्था में कला के महत्व के बारे में समझाया और कहा कि हरियाणवी संस्कृति को और अधिक बुलंदियों पर ले जाने की जरूरत है । मोबाइल फोन को समिति रूप से इस्तेमाल करना चाहिए और नृत्य और गायन के नाम पर चल रहे फूहडपन को रोकना चाहिए । उन्होंने अपने बहुचर्चित रचना बोल तेरे मीठे मीठे को गाते हुए कैंप का समा बांध दिया। उन्होंने अनेकों हास्य रचनाओं के माध्यम से दर्शकों को लोटपोट कर दिया।

अंत में जिला एनएसएस संयोजक हंसवीर ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित कर धन्यवाद दिया। इस मौके पर सभी कार्यक्रम अधिकारी सतीश, राजीव, देवेंद्र कौशिक, राजेश कुमार लाम्बा, शशिकांत, वंदना, मोनिका सुनीता इत्यादि उपस्थित रहे।

आइस स्केटिंग नेशनल चैंपियनशिप में वंश ढिल्लो ने नाम किया रोशन

सिल्वर मेडल जीतने पर नरवाना में खुशी की लहर

नरवाना। देहरादून में आयोजित 20वीं नेशनल शॉर्ट ट्रैक एंड फिगर स्केटिंग चैंपियनशिप 2025 में का आयोजन महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज स्थित हिमाद्रि आइस रिंक में 25 जून से 28 जून को किया गया। इस प्रतियोगिता में 19 राज्यों की टीमें शामिल हुईं। खेल मंत्री रेखा आर्या ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता के पहले दिन कुल 58 हिट्स मुकाबले आयोजित किए गएए जिनमें खिलाडिय़ों ने दमखम का प्रदर्शन किया। इस दौरान नरवाना के वंश ढिल्लों ने शानदार खेल दिखाते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया और सिल्वर मेडल अपने नाम कर लिया।इस उपलब्धि पर कोच और आयोजकों ने भी उन्हें बधाई दी। रविवार को जब वंश नरवाना लौटेए तो उनका नगरवासियों ने भव्य स्वागत किया। वंश के घर पहुंचने पर माता-पिता, दादी-दादा और परिजनों ने मिठाई खिलाकर बेटे का मुंह मीठा कराया।

एक महीने पहले लोक निर्माण विभाग ने तैयार कर स्वास्थ्य विभाग को सौंपा था

कैथल के अस्पताल में तैयार हुआ आईसीयू, ट्रायल शुरू

लंबे समय के बाद मरीजों का इंतजार खत्म, गंभीर बीमारी पर अब रोहतक या चंडीगढ़ पीजीआई नहीं जाना पड़ेगा

नरेश पंवार ▶▶ कैथल

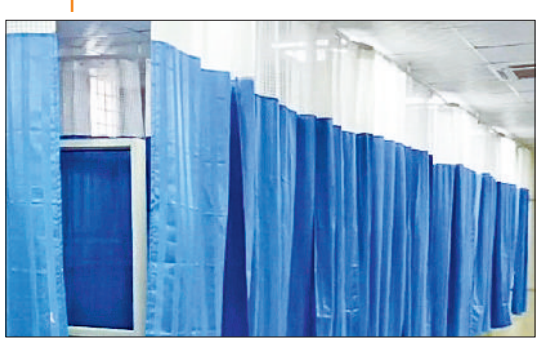

कैथल। नागिरक अस्पताल में बनाया गया आईसीयू।

जिला नागरिक अस्पताल में लंबे समय के बाद मरीजों को इंतजार खत्म हो गया है क्योंकि अब अस्पताल में बनाए गए आईसीयू का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद इसे ट्रायल के तौर पर शुरू कर दिया गया है। इस आईसीयू का निर्माण कार्य पिछले करीब डेढ़ साल से जारी था। आईसीयू के शुरू होने के बाद अस्पताल में आपातकालीन सेवाएं बढ़ जाएंगी। इसके चलते मरीजों को गंभीर बीमारियां पर रोहतक या चंडीगढ़ पीजीआई नहीं जाना पड़ेगा। जबकि इससे पहले करीब एक महीने पहले लोक निर्माण विभाग ने आईसीयू तैयार कर स्वास्थ्य विभाग को सौंपा था। अब अस्पताल के आपातकाल वार्ड में दाखिल मरीजों को आईसीयू में दाखिल कर विभाग की ओर से व्यवस्थाएं देखी जा रही हैं। विभाग अब करीब 20 दिन तक पहले इस आईसीयू को ट्रायल के तौर पर चलाएगा। दो महीने पहले ही जिले में स्वास्थ्य विभाग को 20 नए डॉक्टर मिले हैं। ऐसे में जल्द ही नियमित रूप से आईसीयू शुरू करने की योजना बनाई गई। जिला नागरिक अस्पताल में प्रधान चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिनेश कंसल को प्रभारी लगाया गया है।

आठ डॉक्टरों की जरूरत

इस आईसीयू में आठ डॉक्टरों की जरूरत है, लेकिन आपातकाल की स्थिति को देखते हुए यहां दो डॉक्टरों और चार नर्सिंग ऑफिसर की ड्यूटी लगा दी गई है। जबकि एक डॉक्टर की 24 घंटे की ड्यूटी लगाई गई है। डॉक्टरों की कमी के बीच शुरू नहीं किया गया था।

आईसीयू में यह मिलेंगी सुविधाएं

आईसीयू में चार वेंटीलेटर बेड व आठ एचयू बेड शामिल किए गए हैं। अस्पताल में दाखिल के बच्चों को बेड पर ही ऑक्सीजन उपलब्ध करवाई जा सके, इसके लिए पीडियाट्रिक आईसीयू को ऑक्सीजन प्लांट के साथ जोड़ा है। आईसीयू में ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर, इनफ्यूजन पंप, मल्टी पैरा मीटर मानीटर, पल्स आक्सीमीटर, लेरिंगोस्काप सहित तमाम अत्याधुनिक उपकरण लगाए गए हैं।

मरीजों को दाखिल कर इलाज किया जा रहा

सिविल सर्जन डॉ. रेनू चावला ने बताया कि जिला नागरिक अस्पताल में बनाए गए आईसीयू को ट्रायल के तौर पर शुरू कर दिया गया है। यहां पर दो डॉक्टरों सहित छह स्वास्थ्य कर्मियों की ड्यूटी लगा दी गई है। इसके साथ ही आपातकालीन वार्ड में आने वाले मरीजों को ट्रायल के तौर पर यहां पर दाखिल कर इलाज किया जा रहा है, ताकि आईसीयू की सभी व्यवस्थाओं पर जांच की जा सके।

सावन की मस्ती

सावन माह शुरू होने जा रहा है। सावन की मस्ती से भला कौन वाकिफ नहीं। रिमझिम के दौरान युवाओं के अलावा बच्चे भी घरों की छतों पर या गलियों में अक्सर उछल-कूद करते हुए देखे जा सकते हैं। गलियों में पानी भर जाने पर कागज की किश्ती बनाकर उसे तैराना हर किसी के जीवन का खास यादगार पल होता है। किशोरों की टोलियों को बरसात में भीगना, एक-दूसरे को भिगौना खूब सुहाता है। ऐसे में बड़े-बुजुर्ग और महिलाएं अक्सर गुलगुले-पकौडे.आदि पकवान का स्वाद लेते हैं।

चौमासे में गुलगुले-घेवर की खुशबू से महकेंगी गलियां

प्रदेश में सावन के महीने में सरसों के तेल का सेवन सेहत के लिए उत्तम माना जाता है। इसलिए आज भी गांव-देहात में सावन के महीने में गुलगुले और सुहाली बनाकर खाए जाते हैं। एक समय ऐसा भी था, जब बारिश होते ही सभी घरों में कढ़ाइयां चढ़ जाती थी और सरसों के तेल में मीठे आटे से गुलगुले और सुहालियां बनाई जाती थी। कोथली के लिए और घरों में खाने के लिए आजकल बाजारू चीजों को वैरियता दी जाने लगी है। अब बारिश के मौसम में गुलगुले व सुहाली भी कम ही बनने लगे हैं।

चातुर्मास

राज कुमार नरवाल

चौमासा शुरू हो गया है। बारिश का मौसम आ गया है। अब हमारा रहन सहन, खान-पान और पहनावा बदल जाएगा। हमारे पूर्वजों ने ऋतुओं के हिसाब से ही हमारी परंपराएं व रीति-रिवाज बनाए थे। हमारे पूर्वजों के बनाए इन नियमों पर चलते हुए हम अपने आप को स्वस्थ रख सकते हैं। झुलसाने वाली ज्येष्ठ महीने की गर्मी के बाद आषाढ़ महीना चल रहा है। 11 जुलाई से सावन का महीना शुरू हो जाएगा। बरसात के इस मौसम में हमें क्या खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए, हमारे पूर्वजों ने हमारे लिए नियम तय किए थे। सबसे पहले बात करते हैं कि चौमासा होता क्या है?

हरियाणा में 'चौमासा' शब्द का उपयोग वर्षा ऋतु के चार महीनों (आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद और आश्विन) के लिए किया जाता है। इसे चातुर्मास भी कहा जाता है। इस दौरान, शुभ और मांगलिक कार्यों को करना शुभ नहीं माना जाता है। चातुर्मास चार महीनों (120 दिन) का होता है, जो आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी (देवशयनी एकादशी) से शुरू होता है और कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी (देवउठनी एकादशी) तक चलता है। इन चार मास में हमारा खान-पान और रहन सहन बदल जाते हैं। इस दौरान कुछ त्योहार भी आते हैं। इन त्योहारों को धूमधाम से मनाया जाता है। चौमासा शुरू होते ही हमारे गांवों की गलियां गुलगुले, सुहाली और घेवर की खुशबू से महकने लगती हैं। चौमासा शुरू होते ही शहरों और गांवों में अभी से ही घेवर बनना शुरू हो गया है। सावन का महीना शुरू होते ही बरसात के मौसम में बनाए जाने वाले पकवानों की महक और बढ़ जाएगी।

गुलगुले और सावन का खास मेल

गुलगुले-सुहाली और सावन के महीने का खास मेल है। हरियाणा प्रदेश में सावन के महीने में सरसों के तेल का सेवन सेहत के लिए उत्तम माना जाता है। इसलिए आज भी गांव-देहात में सावन के महीने में गुलगुले और सुहाली बनाकर खाए जाते हैं। एक जमाना ऐसा भी था, जब बारिश होते ही सभी घरों में कढ़ाइयां चढ़ जाती थी और सरसों के तेल में मीठे आटे से गुलगुले और सुहालियां बनाई जाती थी। कोथली के लिए और घरों में खाने के लिए आजकल बाजारू चीजों को वैरियता दी जाने लगी है। पहले की बजाए अब बारिश के मौसम में गुलगुले व सुहाली भी कम ही बनने लगे हैं।

भाई-बहन के रिश्ते को मजबूत बनाती है सावन की कोथली

हरियाणा में महिलाओं के मान-सम्मान से जुड़े कई ऐसे रीति रिवाज हैं, जो आज भी गांव-देहात में प्रचलित हैं। यहां सावन के महीने में भाई अपनी बहन को कोथली देने जाता है। इसमें वह उसके कपड़े, गुलगुले, सुहाली, घेवर, पतासे व फल आदि लेकर जाता है।

बहनों को सावन में अपने भाइयों का बेसब्री से इंतजार रहता है, कि कब भाई आए और वह अपने आस-पड़ोस व परिवार को बताए कि उसका भाई उसकी कोथली लेकर आया है। महिलाएं कोथली में आए सामान को आस-पड़ोस में बड़े चाव से बांटती हैं। लेकिन कोथली का यह रिवाज अब आधुनिकता की भेंट चढ़ता जा रहा है। बहन-भाई के रिश्ते अब पहले जितने प्रगाढ़ नहीं रहे, जिस वजह से अब बहुत से भाई अपनी बहन की कोथली देने नहीं जाते।

किसी जमाने में जो भाई अपनी बहन की कोथली नहीं देने जाता था, उसे समाज में हीन भावना से देखा जाता था और समाज के डर से नाराजगी में भी वह अपनी बहन की कोथली देने जाता था। बहन व भाई नाराज हो जाते थे तो सावन के महीने में भाई कोथली लेकर बहन के घर पहुंचता तो सारे गिले-शिकवे दूर हो जाते थे। कोथली एक ऐसा रिवाज है, जिससे बहन और भाई का रिश्ता और मजबूत बनता है। मगर अब वह पहले जैसी बात नहीं रही। अब रिश्तों की मिठास कम होती जा रही है। सावन में कोथली यदि लेट हो जाती तो महिलाएं गीतों के माध्यम से उलाहने देना शुरू कर देती थी। एक गीत में एक महिला ने किसी जमाने में उलाहना देते हुए यह गीत गाया था कि-

नीमों के निंबोली लागी सामणिया कद आवैगा,
मरियो ए बसंता नाई मेरी कोथली कब लावैगा।

पुराने जमाने में यदि भाई को समय नहीं होता तो नाई को कोथली देने भेज देते थे। इसलिए इस गीत में नाई का जिक्र है। एक महिला का भाई नहीं था, जिसने गीत के माध्यम से कोथली न पहुंचने की पीड़ा अपनी सास के साथ इस प्रकार जाहिर की थी

ऐरी सासड़ तीजां का बड़ा त्योहार
मेरा कोन्या मां का जाया बीर,
मेरी कोथली कोण पहुंचावैगा।

सावन माह में सिंधारा

शादी के बाद जब पहला सावन आता है तो सावन के महीने में लड़की अपनी ससुराल में नहीं रहती। वह अपने मायके चली जाती है। इस दौरान नवविवाहिता का ससुर सिंधारा लेकर बेटे की ससुराल पहुंचता है। इस सिंधारे में भी कोथली वाला ही सामान होता है। यह भी ऐसी परंपरा है, जिससे रिश्तों को मजबूती मिलती है।

बहन के घर देते हैं सिधा

होली, दीपावली और मकर सक्रांति आदि त्योहारों पर भाई अपनी बहनों के पास सूट, फल, मिठाई और घी आदि लेकर जाते हैं। भाई को त्योहार पर अपने घर देखकर बहन बहुत खुश होती हैं। अपने दुख-सुख सांझा करती हैं और यदि बहन की आर्थिक स्थिति कमजोर हो तो भाई जो सामान लेकर पहुंचता है उससे परिवार का त्योहार अच्छे तरीके से मन जाता है।

तीज का त्योहार

हरियाणा प्रदेश में वर्षा ऋतु (मानसून) के आगमन पर तीज का त्योहार सबसे पहले आता है, जो जुलाई या अगस्त में पड़ता है। कहा भी जाता है कि आई तीज, बिखेरगी बीज अर्थात तीज पर्व से त्योहारों का आगमन प्रारंभ हो जाता है। यह त्योहार पार्वती और भगवान शिव के प्रेम का प्रतीक है और हरियाली तीज के नाम से भी जाना जाता है। महिलाएं इस दिन हरे रंग के कपड़े पहनती हैं और रंग-बिरंगी चूड़ियां पहनती हैं।

इस मौसम में खान-पान का विशेष ध्यान रखना जरूरी

- बारिश के मौसम में हरी पत्तेदार सब्जियां नहीं खानी चाहिए। क्योंकि इनमें बैक्टिरिया और किटाणुओं से संक्रमित होने का खतरा बना रहता है। पत्तों के बीच में कीड़े मिलने की संभावना बनी रहती है।
- लौकी, करेला और तोरई का सेवन करना : चाहिए।
- दूध और दूध से बने उत्पाद जैसे दही, छाछ व पनीर सीमित मात्रा में प्रयोग करना चाहिए।
- मांस, मछली और अंडे तामसिक भोजन में आते हैं, ये पाचन तंत्र को प्रभावित करते हैं, इसलिए चौमासा में इनका सेवन करने से बचना चाहिए।
- बैंगन में भी कीड़े होने की संभावना बनी रहती है, इसलिए बैंगन नहीं खाना चाहिए।
- धार्मिक मान्यताओं में भाद्रपद महीने में तो दही का सेवन वर्जित माना गया है।
- मूंग, मसूर और अरहर की दाल का सेवन करना चाहिए।
- मौसमी फल जो शरीर को विटामिन और खनिज प्रदान करते हैं, ऐसे फलों का सेवन करना चाहिए।
- संभव हो तो चौमासे में दिन में केवल एक बार ही भोजना करना चाहिए। रात को हल्का भोजन या फल खाना चाहिए। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए। भोजन को साफ़ और स्वच्छ वातावरण में बनाना चाहिए।
- चौमासा के दौरान, स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए।
- यदि कोई व्यक्ति किसी बीमारी से पीड़ित है, तो उसे डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए कि उसे क्या खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए।

धार्मिक मान्यता

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं और भगवान शिव सृष्टि का संचालन करते हैं। चातुर्मास के दौरान, विवाह, गृह प्रवेश, सगाई जैसे शुभ और मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। यह समय पूजा-पाठ, जप, ध्यान, और आत्म-चिंतन के लिए उत्तम माना जाता है। चातुर्मास में, कुछ लोग जमीन पर सोते हैं, शाकाहारी भोजन करते हैं, और कुछ विशेष वस्तुओं जैसे कि गुड़, तेल, दूध, दही, बैंगन, शाकपत्र आदि का सेवन नहीं करते हैं।

गोगा नवमी का त्योहार

यह त्योहार भाद्रपद महीने में मनाया जाता है। यह त्योहार गोगा वीर (एक लोक देवता) को समर्पित है, जो सांपों के देवता के रूप में भी जाने जाते हैं। इस दिन, लोग गोगा वीर की पूजा करते हैं और सांपों से सुरक्षा के लिए प्रार्थना करते हैं।

लोकगीत और नृत्य

बारिश के मौसम में, हरियाणा में लोकगीत और नृत्य का विशेष महत्व है। लोग पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ गाते और नाचते हैं, जो बारिश और फसल के मौसम का जश्न मनाते हैं।

चौमासा फसल के लिए खास

खरीफ की फसल के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। यह समय किसानों के लिए भी महत्वपूर्ण होता है, और वे इस दौरान अपने खेतों में काम करते हैं। बारिश का मौसम हरियाणा के किसानों के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह फसल उगाने का समय होता है। इस दौरान, किसान खेतों में काम करते हैं और फसल की अच्छी पैदावार के लिए प्रार्थना करते हैं।

रागनी | डा. रणबीर सिंह दहिया

निकम्मा घना सै करतार

सोलां सोमवार के ब्रत राखे मिल्या नहीं सही भरतार
दुख की छाया ढली कोण्या निकम्मा घना सै करतार

बालकपन तैं चाहया करती मन चाहया भरतार मिलै
बराबर की इंसान समझै ठीक ठाक सा घर बार मिलै
उठते बैठते सोच्या करती बढ़िया सा मनै परिवार मिलै
मेरे मन की बात समझले नहीं घणा वो थानेदार मिलै
इसकी खात्तर मन्नत मानी चढ़ावे चढ़ाए मनै बेसुमार
दुख की छाया ढली कोण्या निकम्मा घणा सै करतार

मेरी सहेली नै ब्याह ताहिं एक खास भेद बताया था
सोलां सोमवार के ब्रत करिये मेरे को समझाया था
बोली मनचाहया वर मिलै जिसनै यो प्रण पुगाया था
मनै पूरे नेग जोग करे एक बी सोमवार ना उकाया था
बाट देखै बढ़िया बटेऊ की यो म्हारा पूरा ए परिवार
दुख की छाया ढली कोण्या निकम्मा घणा सै करतार

कई जोड़ी जूती टूटगी फेर जाकै नै यो करतार पाया
पहलम तै बोले बहु चाहिए ना चाहिए सै धन माया
ब्याह पाछै घणे ताने मारे छोरा बिना कार के खंदाया
सपने सारे टूटगे मेरे बेबे सोमवार ब्रत काम ना आया
पशु बरगा बरतावा सै ना करै माणस बरगा व्यवहार
दुख की छाया ढली कोण्या निकम्मा घणा सै करतार

ये तो पाखण्ड सारे पाये ना भरोसा रहया भगवान मैं
उसकी ठीक गलत सारी पुगायी ना दया उस इंसान मैं
फेर न्यों बोले पाछले मैं कमी रही भक्ति तनै पुगाण मैं
आंधा बहरा राम जी भी नहीं आया पिटती छुड़ाण मैं
कहै रणबीर बरोने आला आज पाखंडाँ की भरमार
दुख की छाया ढली कोण्या निकम्मा घणा सै करतार

कविता | राजपाल सिंह गुलिया

मजबूरी का मोल नहीं सै

मजबूरी का मोल नहीं सै, कहते आए लोग सयाणे।
देखे हमने अकल बिना भी, इस दुनिया में ऊँट उभाणे ॥

टोटा बैरी मजबूरी म्हँ, जिब चूँट - चूँट कै खावै सै।
लाचारी हो पर्वत तैं भारी, कुछ ना पार बसावै सै।
आग बलै ना अगर पेट म्हँ, तै कोण कमावण जावै से।
मजबूरी या प्यार घणा हो, ना तै कोण किसे कै खावै सै।
कोण अपणा भेद बतावै सै, बिना जाणे और पिछाणे ॥

घणा कसूता काम देख ल्यो, माणस जिब मजबूर हों सैं।
कुछ तै फाँसी खा कै मरज्या, कुछ नशे म्हँ ए चूर हों सैं।
दर्द कसूता हो सै जिब, नूँह आंगलियाँ तैं दूर हों सैं।
वो भी हमने पिटते देख्ये, जिनके नाहीं कसूर हों सै।
इब वोहे लोग मसूर हों, जो गावैं सैं भूंडे गाणे।

जिनके देख्ये छो आवै सै, उनतै करणे सलाम पड़ैं सैं
दो धेले के माणस तैं भी, कदे जरूरी काम पड़ैं सैं।
लुक - छुप कै जो काम करे, मानने सरेआम पड़ैं सैं।
शौक और मजबूरी म्हँ तैं, देणे दूणे दाम पड़ैं सैं।
ज्यूँ आँधी म्हँ आम झड़ैं सैं, लागे न्यू ये दाम बिराणे ॥

किसै की घणी किसै की थोडी, सबकी ए मजबूरी हो सै।
वो भी फिरैं हाँडते मिरगा, जिन धोरे कस्तूरी हो सै।
दिल अपणे नै डाट बावले, यो भी भोत जरूरी हो सै।
सभ के मन की इच्छा बोलो, किसकी किसतैं पूरी हों सैं।
राजपाल गुलिया कहता, थम, भी बणो आंध्यां म्हं काणे ॥

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

कार्यकाल | **अंग्रेजों ने बदले की भावना से विशाल झज्जर रियासत को 54 वर्षों बाद ही 1858 में मात्र एक तहसील बना दिया था**

बेहद रोचक इतिहास है रियासत झज्जर का

झरोखा | यशपाल गुलिया

अंग्रेजों ने बदले की भावना से विशाल झज्जर रियासत को मात्र एक तहसील बना डाला था। पाठ्य सामग्री के अभाव के कारण झज्जर के इतिहास बारे ज्यादातर नागरिक आज तक अनभिज्ञ ही हैं। केवल झज्जर के अन्तिम नवाब के विषय में ही जाना जाता है, जबकि सन 1804 में झज्जर के एक रियासत बनने से पहले भी यह एक शासकीय दस्तूर / परगना रहा था जिस पर विभिन्न प्रशासक नियुक्त रहे थे।

झज्जर नगर की स्थापना वर्ष 1200 के आसपास भोजू जाट द्वारा की गई थी। उसके बाद नव स्थापित बस्ती ने तीव्र गति से विस्तार किया तथा सुदूर क्षेत्र अफगानिस्तान तक के नागरिक यहां आकर आबाद होने लग गए। एक दो शताब्दी के बाद यहां क्रमशः तीन बाह्य कबीलों का वर्चस्व कायम रहा। इनमें बहिस्ति कबीला, फिर पठान कबीला तथा बादशाह जहांगीर के काल में कलाल कबीले का नियन्त्रण रहा। उसके बाद दिल्ली दरबार से झज्जर पर विधिवत प्रशासक नियुक्त किए जाने लगे। इस तरह झज्जर का रूतबा एक दस्तूर स्तर का बन गया जिसके अन्तर्गत चार परगने झज्जर खास, दादरी तोए, मान्डोटी तथा बेरी दुबलधन आते थे। 16वीं शताब्दी से ही दिल्ली बादशाह के वजीर को झज्जर क्षेत्र जागीर के तौर पर प्रदान किया जाने लगा था। उस प्रचलन में विभिन्न प्रशासक नियुक्त किए गए थे। इनमें आकिल खां पठान, मीर मुश्तजा खां ईरानी, नजफ कुली खां, बेगम समरू, जार्ज थामस, फरुख नगर नवाब तथा भरतपुर राजा आदि के नाम शामिल हैं।

शाही वजीर सफदरजंग द्वारा नियुक्त मुरतजा खां ईरानी ने 1750 में झज्जर में एक किला बनाया था, जिसको गढ़ी पुकारा जाता था। यह पुराने थाने वाले स्थान पर था। उसके बाद लगभग 10 वर्षों तक फरूखनगर व झज्जर पर भरतपुर शासकों ने बलात कब्जा करके खुशहाल राय व राम किशन आदि यहां के प्रशासक नियुक्त किए थे। आश्चर्यजनक रूप से झज्जर पर वर्ष 1790 में दो सिखी साहब सिंह व मन्झा सिंह ने भी अधिकार कर लिया था। फिर 1794 से मराठों ने झज्जर को जार्ज थामस को प्रदान कर दिया, जिसने जहाजगढ़ में एक किला बनाया तथा हिसार तक के क्षेत्र पर कब्जा करके स्वतन्त्र राज्य ही बना लिया था। दिल्ली पर 1803 से अंग्रेजों का आधिपत्य होने पर उन्होंने झज्जर को एक विशाल रियासत बना दिया। इसका क्षेत्र नारनौल, महेन्द्रगढ़, दादरी व बावल तक था।

झज्जर के अंतिम नवाब द्वारा छुछकवास में बनवाया गया महल, जहां से अंग्रेजों ने उसको 1857 में बंदी बनाया था, यहां शिलालेख आज भी विद्यमान है। अंतिम नवाब द्वारा निर्मित झज्जर में स्थित महल।

निजाबत अली खां बना पहला नवाब

निजाबत अली खां झज्जर का प्रथम नवाब बनाया गया। लेकिन 54 वर्षों बाद 1858 में झज्जर रियासत को अंग्रेजों ने ही समाप्त कर दिया था। तब तक फैज अली खां, फैज मोहम्मद खां और अब्दुर रहमान खां आदि झज्जर के नवाब रहे थे। यद्यपि अन्तिम नवाब ने 1857 में अंग्रेजों से कोई प्रत्यक्ष युद्ध नहीं किया था लेकिन उसने दिल्ली से भागकर आए अंग्रेज मैटकाफ को शरण भी नहीं दी थी। इसका खामियाजा उसको फांसी के तौर पर भुगतना पड़ा। झज्जर के सम्पूर्ण इतिहास का उल्लेख गुलाम नबी द्वारा 1860 में लिखी गई पुस्तक में भी उर्दू भाषा में उपलब्ध है।

खाकी के कैनवास पर कला के अक्स बुन रहे एसीपी राजेन्द्र सिंह

प्रतिभा | गुलशन वर्मा

पुलिस... मतलब कड़क अंदाज, कठोर कार्यशैली, कड़ा अनुशासन। चौबीसों घंटे केस, कोर्ट-कचहरी, कानून, कायदा, कार्रवाई, कैदी, एनकाउंटर, लाठीचार्ज, हथकड़ी, जमानत, मुजरिम एफआईआर आदि आदि। ऐसा मान लिया जाता है कि पुलिस कर्मचारी या अधिकारी का जीवन भावशून्य व संवेदनाविहीन हो जाता है। खाकीधारियों की भीड़ में कुछ ऐसी शख्सियतें भी हैं जो कठोर प्रतिबद्धता के साथ कर्तव्य पालन में आदर्श बन कर खड़े हैं पर साथ ही व्यस्त दिनचर्या में से कुछ पल निकाल कर यह साबित कर रहे हैं कि खाकी सिर्फ कठोरता का पर्याय नहीं। कला, संस्कृति, काव्य, तूलिका भी उनके जीवन में अहम स्थान रखते हैं। यह शख्सियत हैं तूलिका के मास्टर और कविता के फनकार राजेन्द्र सिंह 'कलकल'।

दिल्ली पुलिस में असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर यानी एसीपी (पीएचक्यू) राजेन्द्र सिंह को राष्ट्रीय कवि सम्मेलनों में कविता से श्रोताओं को उल्लासित, रोमांचित व भावविभोर करते देखा जा सकता है। देखते ही देखते वह साथ या सामने बैठे व्यक्ति का ऐसा सजीव कैरीकेचर बना देंगे कि आप दंग रह जाएंगे। एक 'शार्प' कार्टूनिस्ट के तौर पर 'कलकल' को अंतरराष्ट्रीय ख्याति मिली है। उनके कद्रदानों में ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री बोरिस जानसन भी हैं जिन्होंने अपना कार्टून देख कर 10, डाउनिंग स्ट्रीट (सन् 1735 से लंदन में ब्रिटिश प्रधानमंत्रियों का निवास स्थान) से 'कलकल' को प्रशंसा का पत्र भेजा। भारत के पूर्व राष्ट्रपति और देश के मिसाइल मिशन के सूत्रधार एपीजे अब्दुल कलाम को जब राजेन्द्र 'कलकल' ने उनका कैरीकेचर दिया तो वे इतने प्रभावित हुए कि उस पर लिख दिया, 'वैरी गुड कार्टून'। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व पीएम मनमोहन सिंह, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी, सदी के मेगास्टार अमिताभ बच्चन, क्रिकेटर कपिल देव और तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा भी उनके प्रशंसकों में शामिल हैं। 'कलकल' के बनाए कार्टून पर इन सभी ने हस्ताक्षर किए हैं व कमेंट लिखे हैं। राजेन्द्र 'कलकल' के बनाए कार्टून/ कैरीकेचर की सूची काफी लंबी है। दिल्ली पुलिस के इतिहास पर किए गए शोध, साहित्यिक प्रतिभा, अध्यात्मवाद और व्यवहारवाद आदि को देख कर सहज रूप से उनकी 'वर्सेटाइल पर्सनैलिटी' का अहसास हो जाता है। हरियाणा के भिवानी जिले के मूल निवासी राजेंद्र सिंह 'कलकल' की बहुमुखी प्रतिभा पर अभी तक हरियाणा साहित्य अकादमी या केंद्र सरकार की साहित्य, कला, शिक्षा, सामाजिक एजेंसियों की नजर न पड़ना आश्चर्यजनक है।

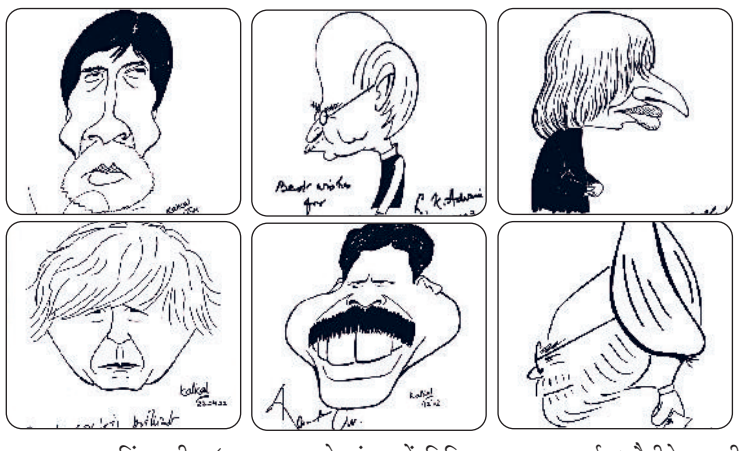

एसीपी राजेन्द्र सिंह 'कलकल' दिल्ली पुलिस के संग्रहालय के सूत्रधार और अनुसंधानकर्ता भी हैं। किंग्स्वे कैंप स्थित यह संग्रहालय कई मायनों में अद्भुत है। 'हिस्ट्री एंड हेरिटेज बुक आफ दिल्ली' में राजेंद्र 'कलकल' का अहम योगदान है।

दुनिया कायल है 'कलकल' की

राजेन्द्र सिंह के कद्रदानों में अटल बिहारी वाजपेयी, मनमोहन सिंह, अमिताभ बच्चन भी शामिल रहे हैं। अपना कैरीकेचर देख 'मिसाइलमैन' ने लिखा, 'वैरी गुड कार्टून', वहीं ब्रिटिश पीएम बोरिस जानसन ने लैटर भेज कर धन्यवाद किया।

दिल्ली पुलिस की पहली कॉफी टेबल बुक इन्हीं के शोध पर आधारित थी। आजादी से पहले की पुलिस यूनिफॉर्म, बंदूक, टोपी, पुलिस थानों की पहचान, फोटो, जुर्माना, पहली एफआईआर, इंस्पेक्शन बुक, पहला वायरलैस सेट जैसी अनेक रोचक और खोजपरक जानकारी इस संग्रहालय में मौजूद है। दिल्ली पुलिस की वेबसाइट 'कलकल' के कार्टूनों से भरी है। हर कार्टून इतना परफेक्ट कि आप देखते रह जाएंगे। दिल्ली पुलिस की पत्रिकाओं, कैलेंडर में उनके कार्टून छप चुके हैं। 'कलकल' जाने माने कवि भी हैं। उनकी कविताओं व साहित्य रचनाओं में जीवन के कठोर, चुटीले व रोचक किस्सों व प्रेरणादायक वृतांत का समावेश होता है। वह सामाजिक बंधनों की परंपरा को कायम रखने में भी सबसे आगे हैं। वह उपदेशक (मोटिवेशनल स्पीकर) की भूमिका भी निभा रहे हैं जिसमें वह अपने संदेशों में जीवन के प्रति आशावाद और उत्साह का संचार करते हैं। वह बाकायदा मोटिवेशनल क्लास भी लगाते हैं जिसमें दैनिक जीवन के तनावों से मुक्ति पाने के टिप्स दिए जाते हैं। ये टिप्स गीता की शिक्षा पर आधारित होते हैं। इन क्लासों में बढ़ती भीड़ इनकी निरंतर बढ़ती लोकप्रियता को स्वयं साबित करती है। इनके टिप्स बच्चे, युवा, प्रौढ़, बुजुर्ग सभी के लिए होते हैं।

खबर संक्षेप

दादा रामेश्वर धाम दनौदा में यज्ञ व वार्षिक भंडारा

नरवाना। उपमंडल नरवाना के दनौदा गांव मे लगाया वार्षिक भंडारा। भंडारे का आयोजन समस्त ग्रामीणों द्वारा दादा रामेश्वर धाम तीर्थ पर हवन यज्ञ किया गया। इस मौके पर सर्वजातीय बिनैन खाप के प्रधान रघुबीर नैन ने बताया की हर वर्ष की तरह गांव में सुख शांति के भंडारे का आयोजन किया जाता है।

गांव जयपुर में पुत्रवधू ने सास को पीटा, केस दर्ज

जींद। गांव जयपुर में एक महिला ने अपनी सास के साथ मारपीट की। सदर थाना पुलिस ने आरोपी महिला पर विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। जयपुर निवासी महिला कमलेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 11 जून की शाम को पुत्रवधु सुदेश ने उसके साथ मारपीट की।

गुहला में मकान से हजारों का सामान चोरी

कैथल। कस्बा गुहला के एक मकान में घुसकर चोर हजारों रुपए का सामान चुरा कर ले गए। गुहला के राजपाल ने गुहला पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 23 जून को चोर उसे घर में घुसकर वहां पर रख एलईडी गैस सिलेंडर में अन्य सामान चुरा कर ले गए।

शादी का झांसा देकर भगा ले जाने पर केस

कैथल। थाना शहर कैथल पुलिस ने एक युवती को शादी का झांसा देकर भगा ले जाने के आरोप में एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। कैथल के एक गांव के व्यक्ति ने शिकायत में आरोप लगाया है कि अंकित नाम युवक 26 जून को उसकी 19 वर्षीय बेटी को शादी के झांसा देकर अपने साथ बहला फुसलाकर भगा ले गया।

दहेज प्रताडना के आरोप में पति-सास नामजद

कैथल। सदर पुलिस कैथल ने दहेज प्रताड़ना का एक मामला दर्ज किया है। तारागढ़ की एक महिला ने बताया कि उसकी शादी पूर्व गांव धनोरी के मनदीप के साथ हुई थी। शादी के बाद ससुराल वाले उसे प्रताडित करते थे। सब इंस्पेक्टर विकास ने बताया कि विवाहिता की शिकायत पर पति मनदीप तथा सांस रोशनी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

किशोरी बिना बताए हुई लापता, केस दर्ज

कैथल। कलायत पुलिस ने एक किशोरी के बिना बताए घर से लापता होने का मामला दर्ज किया है। कलायत थाना के तहत आने वाले गांव के एक व्यक्ति ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि 28 जून को उसकी 15 वर्षीय बेटी बिना बताए घर से लापता हो गई।

किशोरी को भगा ले जाने पर युवक पर केस

कैथल। गांव बालू के एक व्यक्ति ने कलायत पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 28 जून को देवेंद्र जो वर्तमान में ईंट भट्ठा पर काम करता है उसकी 17 वर्षीय बेटी को शादी के झांसा देकर साथ बहला फुसलाकर भगा ले गया।

रास्ता रोककर की मारपीट, दो नामजद

कैथल। कलायत पुलिस ने रास्ता रोककर मारपीट करने के रूप में दो व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। लांबा खेडी के प्रदीप ने कलायत पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 25 जून को जब वह गांव से जा रहा था तो पाली और बलकार ने उसका रास्ता रोकते हुए उसके साथ मारपीट की।

रिटायर कर्मचारी संघ की मासिक बैठक सम्पन्न

सीवन। रिटायर कर्मचारी संघ ब्लॉक सीवन की मासिक बैठक सीवन के राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला सचिव जयप्रकाश शास्त्री ने भाग लिया। इस दौरान बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त कर्मचारी उपस्थित रहे और अपनी मांगों को लेकर एकजुट दिखाई दिए।

बारिश से शहर में कई जगह केबलों में घुसा पानी

33 केवी दनौदा ब्रेक डाउन, बिजली गुल होने से लोगों को उठानी पड़ी परेशानी

■ कई जगह केबल बदलने का काम जारी रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिले में हुई बारिश से शहर में बिजली गुल हो गई। इससे कई कॉलोनियों में अंधेरा छा गया। बारिश के कारण फ्यूज उड़ गए। वहीं केबल में पानी घुसने से जल गई और लाइनों में फॉल्ट आ गए। इससे बिजली गुल हो गई। जिसके कारण शहरवासियों को काफी परेशानी हुई। वहीं 33 केवी दनौदा पावर हाउस भी ब्रेक डाउन हो गया। करीब डेढ़ घंटे बाद बिजली आपूर्ति बहाल हो पाई। शनिवार दोपहर अचानक बादल छा गए। इसके बाद झमाझम बारिश होने लगी। बारिश होने के कारण शहर की बिजली चली गई। इसको लेकिन उपभोक्ताओं ने निगम सर्कल के पास शिकायत दर्ज करवाई गई। निगम सर्कल में बिजली संबंधित 110 शिकायतें दर्ज हुईं। इन शिकायतों में सबसे ज्यादा शिकायत केबल जलने, फ्यूज उडने और जंपर जलने की आई। केबल बदलने और फ्यूज लगाने का काम शुरू किया गया। जो शाम तक जारी रहा। इसके कारण शहरवासियों के दिनचर्या के काम भी नहीं हो पाएए वहीं कुछ कॉलोनियों में पेयजल सप्लाई नहीं आने के कारण लोगों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ा। बारिश के कारण राजनगर, श्याम नगर, संत नगर, झांझ गेट, विश्वकर्मा कॉलोनी, आशरी गेट, बुढ़ाबाबा बस्ती, सफीदों गेट, राम नगर, खेमनगर, हकीकत नगर में बिजली आपूर्ति बाधित हुई। हालांकि कुछ कॉलोनियों में तो कुछ देर बाद बिजली सप्लाई सुचारू रूप से चल पड़ी थी लेकिन कई जगह केबल बदलने का काम जारी रहा। गर्मी में परेशानी हुई वहीं मच्छरों ने भी खासा परेशान किया। बिजली निगम के अधीक्षण अभियंता एमएल सुखीजा ने बताया कि बारिश से कई कॉलोनियों में केबल जलने की शिकायतें मिली थी। निगम कर्मियों शाम तक सभी जगह बिजली सप्लाई बहाल करवा दी थी।

जींद। बिजली लाइन को ठी करते हुए कर्मचारी।

उचाना। उचाना कलां के बनभौरी रोड पर भरा बारिश का पानी।

उचाना कलां के बनभौरी रोड पर भरा पानी

उचाना। उचाना कलां के बनभौरी रोड पर बारिश के पानी की निकासी नहीं होने से दूसरे दिन भी पानी भरा रहा। पानी निकासी नहीं होने से वाहन चालकों के साथ-साथ राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। गलियों का लेबल सड़क के लेबल से ऊंचा होने के चलते बारिश का पानी गलियों का सड़क पर भर जाता है। पानी की निकासी नहीं होने से कई घंटों तक जलभराव रहता है। सड़क के दोनों तरफ बने मकान मालिकों ए दुकानदारों को परेशानी का सामना करना पड़ा। यहां जलभराव अधिक होने पर दो पहिया वाहन चालक को उचाना कलां की फिरनी के ऊपर से आवागमन करना पड़ा। यहां पर पानी की निकासी का पुख्ता प्रबंध करने की मांग मकान, दुकान मालिकों एवं वाहन चालकोंए राहगीरों ने की। राजकुमार, सत्यवान, सत्यपाल, राजीव ने कहा कि बारिश के बाद बनभौरी रोड पर उचाना कलां के पास जलभराव होने से परेशानी होती है। बारिश के 24 घंटे के बाद भी जलभराव सड़क पर है। सड़क का लेबल गलियों से नीचे होने के चलते बारिश का पानी सड़क पर भर जाता है। यहां से पानी निकासी का पुख्ता प्रबंध नहीं होने से कई.कई घंटे पानी भरा रहता है। सीवरेज से पानी की निकासी हो इसको लेकर पुख्ता प्रबंधन होने चाहिए। एसडीओ सुनीता देवी ने कहा कि सीवरेज की अगर समस्या है तो उसे चेक करवाया जाएगा। किसी तरह की परेशानी नहीं आने दी जाएगी।

विधायक ने सुनी कार्यकर्ताओं संग पीएम के मन की बात

उचाना। पीएम नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को रविवार को विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री द्वारा कार्यकर्ताओं के साथ सुना। भौंगरा गांव के बूथ नंबर 215 पर प्रदीप भौंगरा के आवास पर विधायक पहुंचे। यहां पर आधा घंटे तक कार्यकर्ताओं के बीच बैठकर कार्यक्रम को सुना। पीएम नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम सुना। ये कार्यक्रम ऐसा कार्यक्रम है जिसको सुन कर हर वर्ग में उत्साह होता है। इससे प्रेरणा हमें मिलती है वो चाहे पर्यावरण को लेकर हो चाहे वो किसी क्षेत्र को लेकर हो। युवाओं में भी जोश इस तरह के कार्यक्रम सुनने के बाद आता है। हर क्षेत्र के बारे में चर्चा पीएम नरेंद्र मोदी मन की बात कार्यक्रम में करते है। खेल के बारे में पीएम ने बताया कि फुटबॉल खिलाड़ी हमारे बच्चे बने है जो बड़ी उपलब्धी है। क्योंकि हमारे देश में फुटबॉल कम खेल जाता है लेकिन खिलाडियों ने देश का नाम रोशन किया है। इस मौके पर संदीप चहल, सतीश जांगडा, रमेश राणा, संजय चहल, प्रमोद पालवां, ओमदत्त डाहोला, छबील दास, पवन, देव दर्शन, सुखविंद्र सरपंच, वीरेंद्र मौजूद रहे।

युवक का शव 40 घंटे बाद बरामद

■ 10 किलोमीटर आगे मिला शव, सरकारी नौकरी की भर्ती परीक्षाओं की करता था तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

भाखड़ा ब्रांच नहर पर दोस्तों संग नहाने के दौरान डूबे युवक का शव 40 घंटे बाद घटनास्थल से करीब 10 किलोमीटर दूर मिला है। युवक का शव फूलकर ऊपर आ गया। मृतक युवक नहर के तेज बहाव में बह गया था। गोताखोर, ग्रामीणों के अलावा स्टेट डिजास्टर रेस्क्यू फोर्स (एसडीआरएफ) की टीम शनिवार दोपहर बाद से युवक को तलाश रही थी। गौरतलब है कि मूल रूप से बड़ौदा गांव और हाल आबाद में जींद में अमरेहड़ी रोड पर रहने वाला दिनेश शुक्रवार शाम को पांच दोस्तों के साथ नरवाना से गुजर रही भाखड़ा ब्रांच नहर पर नहाने के लिए गया था। बडनपुर के पास नहर पर दोस्तों के साथ नहाने लगा तो वह तेज बहाव में बह गया। दोस्त उसे पानी से बाहर नहीं निकाल पाए। ग्रामीणों ने अपने स्तर पर दिनेश को ढूंढने का प्रयास किया लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया था। शनिवार दोपहर बाद एसडीआरएफ की टीम व गोतखोर पहुंचे। देर शाम तक भी शव नहीं मिला। रविवार सुबह सूरबरा गांव के पास शव फूल कर ऊपर आया तो लोगों ने पुलिस को सूचित किया। शव को नरवाना नागरिक अस्पताल पहुंचाया। दिनेश शादीशुदा है और उसको डेढ़ साल का बच्चा है। दिनेश का एक भाई आस्ट्रेलिया में रहता है। दिनेश कंपीटिशन टेस्टों की तैयारी कर रहा था और कोचिंग भी लेता था।

जींद। घटनास्थल पर मौजूद लोग।

मेरी झोली छोटी पड़ गई रै...

■ श्रद्धालुओं के साथ माता के गीतों पर झूमे विधायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

अनाज मंडी में जय मां बनभौरी सेवा समिति द्वारा मां भगवती का प्रथम विशाल भव्य जागरण का आयोजन हुआ। मुख्यअतिथि के तौर पर भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्रीए सुषमा अत्री पहुंचे। माता भ्रामरी धाम के पुजारी शिव कुमार कौशिक के सान्निध्य में जागरण हुआ। मंच संचालन पं. अजय स्टार ने किया।

ज्योति प्रज्जवलित समाज सेवी लाला सतपाल गोयल ने किया। श्रृंगार सेवा समाज सेवी ओमप्रकाश भौंगरा एवं छत्र सेवा विनोद भगत, सुरेश नैन बाबा ज्योतराम मंदिर उचाना द्वारा दी गई। कलाकार शीतल पांडे दिल्ली, साक्षी अग्रवाल जयपुर, बबलू चावला कुरूक्षेत्र एवं शिवम गोयल उचाना द्वारा माता के गीतों से जागरण में पहुंचे श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। बारिश के बावजूद भारी संख्या में श्रद्धालु जागरण में पहुंचे। कलाकारों द्वारा माता के प्रस्तुत किए जा रहे गीतों पर श्रद्धालुओं के साथ विधायक देवेंद्र चरतभुज अत्री तो महिला श्रद्धालुओं के साथ सुषमा अत्री झूमी। जागरण मंडी के रामलीला मैदान में होना था लेकिन तेज बारिश के चलते जागरण शैड के नीचे आयोजित किया।

उचाना। विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री को माता भ्रामरी की फोटो स्मृति चिन्ह के रूप में देते हुए।

जुलाई में मंच की तरफ से शहर में पौधरोपण अभियान चलेगा

नरवाना। नरवाना वेलफेयर मंच द्वारा संचालित निशुल्क लाइब्रेरी में सरदार हरचरण सिंह की अध्यक्षता में मंच के द्वारा एक मीटिंग का आयोजन किया गया इस मीटिंग में मंच के द्वारा शहर में किए गए सामाजिक कार्यों की समीक्षा की गई और आने वाले समय में शहर की प्रमुख समस्याओं को लेकर रणनीति बनाई गई। मंच के अध्यक्ष सरदार हरचरण सिंह ने कहा शहर में विकास कार्य चल हुए हैं लेकिन बरसात का मौसम है शहर की सड़कों पर बहुत बड़े.बड़े गड्ढे हैं जिसे राहगीरों को बड़ी परेशानी होती है। शहर में जगह.जगह है गंदगी के ढेर लगे हुए हैं विशेष कर शहर की प्रमुख जगह हुड्डा ग्राउंड में डंपिंग बिंदु बनाया गया है।

जुलाई के महीने में मंच की तरफ से शहर में पौधरोपण किया जाएगा। मंच की तरफ लगभग 50 पेड़ ट्री गार्ड के साथ शहर में लगाए जाएंगे। मंच के मीडिया प्रभारी ओमदत्त शर्मा ने कहा मंच ने शुरू से ही प्रशासन व शहर वासियो को जागरूक करने का कार्य किया है।इस अवसर पर मंच के सदस्य देवेन्द्र जांगड़ाए जयभगवान सिंगलाएसतीश सेतियाए सरदार हरचरण सिंहए इन्द्र सिंह नैनाए महासिंह श्योराणएकिरण कुमारएनरेश मित्तल आदि मौजूद रहे।

संतों का जीवन परोपकार के लिए

कार्यक्रम को संबोधित करते मंत्री कृष्ण बेदी।

जींद। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि संत महात्माओं ने समाज को न केवल धार्मिक और आध्यात्मिक मार्गदर्शन दिया बल्कि सामाजिक सुधार, शिक्षा और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हमेशा लोगों को धर्म और आध्यात्मिकता का सही मार्ग दिखाया है। संतों का जीवन सनातन धर्म को आगे बढ़ाने व समाज परोपकार के लिए समर्पित रहा है। मंत्री कृष्ण कुमार बेदी स्वामी द्योतराम महाराज की 82वीं पुण्यतिथि पर पांडु पिंडारा तीर्थ के सत्संग भवन में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने सत्संग भवन जीर्णोद्धार के लिए लगभग साढ़े पांच लाख रुपये की राशि देने की घोषणा भी की। कार्यक्रम में बीजेपी के जिला प्रधान तिजेंद्र दुल, सुरेश दनौदा, विनोद सैनी समेत काफी संख्या में साध संगत मौजूद रहीं। मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि भक्ति काल में गुरु रविदास, गुरु नानक देव, गुरु कबीर दास जैसे जितने भी संत हुए हैं, उन्होंने मानव जाति का उत्थान किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष अखिल भारतीय घीसा संत महामंडल के अध्यक्ष स्वामी राघवानंद ने कहा कि श्रद्धा से दिया गया दान व्यक्ति को पुन्य का भागीदार बनाता है। स

नौकरी लगवाने के नाम पर ठगे चार लाख

जींद। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने अदालत में प्रोसेस सर्वर और चपरासी लगवाने के नाम पर तीन लोगों ने दो युवकों से चार लाख रुपये ठगने पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। भागखेड़ा निवासी रोहताश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि पिछले साल कोर्ट में चतुर्थ श्रेणी की नौकरियां निकली थी। उसके बेटे मनदीप ने झज्जर और बेटी अनु ने जींद के लिए आवेदन किया था। उसकी रामराय खेड़ा गांव निवासी रमेश के साथ पहचान थी। रमेश ने ईक्कस गांव निवासी जसवीर से मुलाकात करवाई। इसके बाद उसने दिल्ली निवासी सोहन गोयल के साथ कॉन्फ्रेंस पर बात की। जनवरी 2024 में उसने जसबीर को चार लाख दे दिए। दोनों में से एक का भी चयन नहीं हुआ। पैसे वापस देने से इनकार कर दिया और मारने की धमकी दी।

न्यूज डायरी

जनवादी महिला समिति का राज्य सम्मेलन संपन्न

जींद। अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति का बारहवां राज्य सम्मेलन रविवार को निजी होटल में संपन्न हुआ। तीन साल के कामों का लेखा-जोखा राज्य महासचिव ऊषा सरोहा द्वारा रिपोर्ट में रखा गया। रिपोर्ट पर समूह चर्चा करते हुए रिपोर्ट पर बहस की गई तथा समूह चर्चा की विषय वस्तुए सुझाव प्रतिनिधि साथियों के सामने रखे गए। जिन पर महासचिव ऊषा सरोहा ने अपनी बात रखी। इस दौरान सर्व कर्मचारी संघ से नरेश कुमार, किसान सभा से डिंपल, डीवाईएफआई से नरेश दनौदा, सीटू नेता सुनीता, खेत मजदूर यूनियन से प्रेमचंद, मंगतराम शास्त्री आदि ने सम्मेलन की सफलता के लिए शुभकामना संदेश देते हुए संगठन के साथ एकजुटता प्रस्तुत की। वित्त रिपोर्ट कोषाध्यक्ष राजकुमारी दहिया द्वारा रखी गई। सम्मेलन के समापन से पहले आने वाले तीन वर्षों के कामकाज को सुचारू रूप से चलाने के लिए 25 सदस्यों की राज्य कमेटी गठित की गई। ऊषा सरोहा को राज्य महासचिव, सविता को राज्य अध्यक्ष, अमिता को कोषाध्यक्ष चुना गया। नौ सदस्यों का सचिव मंडल गठित किया गया। जिसमें शकुंतला जाखड़, जगमती सांगवान, भारती को उपाध्यक्ष, बबली लांबा, जरासो, बिमला घनघस को सहसचिव बनाया गया है। नवनिर्वाचित राज्य महासचिव ऊषा ने बताया कि राष्ट्रीय सम्मेलन दिसंबर 2025 या जनवरी 2026 में होगा।

लजवाना कलां का अमन शर्मा बना सेना में लेफ्टिनेंट

जुलाना। जुलाना क्षेत्र के लजवाना कलां गावं निवासी अमन शर्मा सेना में लेफ्टिनेंट बना है। अमन शर्मा का जुलाना की परशुराम धर्मशाला में पहुंचने पर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्राह्मण सभा के प्रधान देवेंद्र शर्मा ने की। अमन के पिता तिलक राम शर्मा सुपरीटंडेंट हैं और माता सुनीता गृहणी हैं। ब्राह्मण सभा के प्रधान देवेंद्र शर्मा ने कहा कि अन्य युवाओं को चाहिए कि वो अमन से प्रेरणा लेकर शिक्षा के क्षेत्र में मेहनत करते हुए माता पिता और गांव का नाम रोशन करें। मौके पर रोहताश शर्मा, त्रिलोकी राम शास्त्री, संजीत, सतपाल मौजूद रहे।

जुलाना में कार्यकर्ताओं ने सुनी प्रधानमंत्री की मन की बात

जुलाना। जुलाना कस्बे में भाजपा नेत्री एडवोकेट डा. पुष्पा तायल के कार्यालय पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम सुना। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में कहा कि करो योग रहो निरोग। योग का महत्व आदि काल से हमारे पूर्वज बताते आए हैं। भाजपा नेत्री ने कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि योग करने से अनेकों बीमारी कट जाती हैं और शरीर स्वस्थ रहता है। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष प्रदीप शर्मा, सुरेश कोशिश, विजय बंसल, सुरेंद्र सिंहमार, पवन शर्मा, विकास काजल, यशवंत करसोला आदि अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मन की बात देश को एक सूत्र में बांधने वाला कार्यक्रम

पूंडरी। पूंडरी उपमंडल के गांव धेरडू में वरिष्ठ भाजपा नेता महाबीर धेरडू के निवास स्थान पर आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को सामूहिक रूप से सुना गया। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं निवर्तमान जिलाध्यक्ष अशोक गुर्जर विशेष रूप से मौजूद रहे। गांव में पहुंचने पर महाबीर धेरडू ने अशोक गुर्जर का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। अशोक गुर्जर ने कहा कि मन की बात देश को एक सूत्र में बांधने वाला प्रेरणादायक कार्यक्रम है।

शक्ति केंद्र-1, बूथ नंबर 102 पर कार्यक्रम सुना

पूंडरी। पूंडरी विधानसभा के शक्ति केंद्र-1, बूथ नंबर 102 पर आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात का सामूहिक रूप से श्रवण किया गया। यह आयोजन मन की बात कार्यक्रम के सह-संयोजक विनोद बग्गा व हर्ष सेठी के संयोजन में संपन्न हुआ। भाजपा के पूर्व मंडल महामंत्री हर्ष सेठी ने कहा कि 'मन की बात' केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि करोड़ों देशवासियों के साथ प्रधानमंत्री का सीधा संवाद है, जो प्रत्येक भारतीय को राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देता है। उपस्थित प्रमुख जनों में बालकृष्ण बग्गा, राजेंद्र बग्गा (वकील), तरूष, ज्योति बग्गा, सुदेश बग्गा, सुनील सिंगला, रागबीर पुरी मौजूद रहे।

कमलेश ढांडा ने सुनी पीएम की मन की बात

कलायत। पूर्व राज्य मंत्री कमलेश ढांडा ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के जरिये हर वर्ग से जुड़े रहने की देश के इतिहास में अपनी तरह की खास पहल की है। इससे नागरिकों को निरंतर सरकार की विकास एवं कल्याणकारी नीतियों की निरंतर जानकारी रहती है। इसलिए इस कार्यक्रम को सरकार व जनता के बीच की मजबूत कड़ी कहा जा सकता है। कमलेश ढांडा रविवार को कलायत के गांव बाता स्थित लाई कृष्णा स्कूल में प्रसारित मन की बात कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रही थी। उपरांत मोदी के मन की बात संदेश को सामूहिक रूप से सुना। बाता के बूथ नंबर 38 पर प्रसारित पीएम के मन की बात कार्यक्रम के आयोजक मंडल महामंत्री सचिन शर्मा रहे। इस अवसर पर कलायत मंडल अध्यक्ष राजीव राजपूत, बालू मंडल अध्यक्ष नरेंद्र जुलानी खेड़ा, पूर्व मंडल अध्यक्ष महिपाल राणा, राजकिशन काका, रवींद्र धीमान, रामकुमार राणा, अरुण राणा, नरेश शर्मा, अनिल प्रजापति, रिंकू प्रजापति, सतपाल कौशिक, प्रदीप कौलेखां, कुशलपाल, पार्षद, पंचायत व ब्लाक समिति सदस्य मौजूद रहे।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने सुनी पीएम की मन की बात

कैथल। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम 'मन की बात' के 123 वे संस्करण को बूथ नं.176 पर मण्डल अध्यक्ष गोपाल सैनी और चंदाना गेट मंडल की पूरी टीम व अन्य कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर सुना। बूथ पर मुख्यातिथि जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी के पहुंचने पर मंडल अध्यक्ष गोपाल सैनी और उनकी टीम ने मुख्यातिथि को सम्मानित किया। जिलाध्यक्षा ज्योति सैनी ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम में हमेशा भारत की संस्कृति और इतिहास को समृद्ध बनाने और 'विकसित भारत' के संकल्प को पूरा करने का जिक्र करते हैं। मौके पर जिला मीडिया प्रभारी राज रमन दीक्षित,मंडल अध्यक्ष गोपाल सैनी, ओम प्रकाश मीरा, ऊषा मचल,सुमित कल्याण, राजेश सिंगला, सोमदत्त कौशिक, सरोज कुमारी, अरुण शर्मा, महावीर सैनी, जग्गा सैनी, गोपाल वर्मा, लाड़ी ,प्रदीप भट्ट, आदि मौजूद थे।

मौलिक शिक्षा विभाग के खिलाफ मोर्चा खोलेगा संघ

जींद। हरियाणा अनुसूचित जाति राजकीय अध्यापक संघ जींद के जिला संयोजक दलबीर अल्याहन ने बताया कि ईएसएचएम रिवर्सन मामले में मौलिक शिक्षा विभाग की लापरवाही के विरोध में संघ बड़ा आंदोलन करेगा। संघ राज्य प्रधान डा. दिनेश निम्बडिया ने ईएसएचएम रिवर्सन मामले में शिक्षा विभाग की अनदेखी और टाल मटोल रवैये पर कड़ा ऐतराज जताते हुए प्रशासन को अंतिम चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि जल्द ही असंवैधानिक ईएसएचएम रिवर्सन आदेश रद्द कर प्रभावित शिक्षकों की पूर्ववत पदस्थापना नहीं की तो विभाग के खिलाफ प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा। राज्य महासचिव विनोद मोहड़ी ने बताया कि यह निर्णय संघ के राज्य स्तरीय पदाधिकारियों, जिला प्रधानों व सचिवों के साथ हुई वर्चुअल मीटिंग में लिया गया।

धान खरीद कर 46.20 लाख हडपने पर दंपति नामजद

जींद। फर्म से धान खरीद कर 46 लाख 20 हजार 680 रुपये की राशि हडपने पर शहर थाना पुलिस ने आढ़त फर्म संचालक दंपति के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। अर्बन एस्टेट निवासी ईश्वर ने पुलिस को दी शिकायत मे बताया कि वह अनाज मंडी में ट्रेडिंग कंपनी चलाता है। वहीं पर महाबीर प्रसाद व उसकी पत्नी राजबाला भी अनाज मंडी में फर्म चलाते हैं। जिसके चलते लेन-देन भी चलाता रहता है। आरोपित महाबीर प्रसाद ने छह दिसंबर 2024 को 30 लाख 69 हजार 549 रुपये की धान खरीदी थी। जिसमें से आठ लाख रुपये का भुगतान कर दिया गया। जबकि 22 लाख 69 हजार 49 हजार रुपये बकाया रह गए। आरोपित राजबाला की फर्म से उसके बेटे सुमित मितल तथा प्रवीन मित्तल खरीद करते थे। राजबाला फर्म की तरफ भी 23 लाख 51 हजार 131 बकाया थे। महाबीर तथा बेटो ने जल्द भुगतान का आश्वासन दिया था। जब दबाव बनाया तो आरोपितों ने राशि देने से मना कर दिया। शहर थाना पुलिस ने ईश्वर की शिकायत पर आरोपित महाबीर प्रसाद तथा उसकी पत्नी राजबाला के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।

इनेलो ने देवेंद्र को युवा प्रकोष्ठ कैथल का अध्यक्ष बनाया

पूंडरी। इनेलो के युवा राष्ट्रीय प्रभारी करण चौटाला ने रविवार को युवा प्रकोष्ठ के सभी 22 जिला अध्यक्षों की सूची जारी की। करण चौटाला ने इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ. अभय सिंह चौटाला, प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा और युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद गोस्वामी से विचार विमर्श करके सभी जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की। जिसमें कैथल जिले का जिला पार्षद पंडित देवेंद्र पुजारी को युवा अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पुजारी ने शीर्ष नेताओं का आभार जताया।

श्रद्धांजलि सभा में छलके श्रद्धा के आंसू

माता परमेश्वरी देवी

1 मई 1936 — 20 जून 2025

माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के टैगोर ऑडिटोरियम में उमड़ा जनसैलाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

प्रदेश के पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु की माता स्वर्गीय परमेश्वरी देवी जी के निधन पर एमडीयू के टैगोर सभागार में रविवार को आयोजित श्रद्धांजलि सभा में मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद, नेता, प्रशासनिक अधिकारी और गणमान्य व्यक्ति पहुंचे। उन्होंने माताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान दूर दराज के क्षेत्रों से खाप प्रतिनिधि, सामाजिक संस्थाओं और आर्य समाज के प्रतिनिधि माताजी को श्रद्धांजली देने पहुंचे। शोक व्यक्त करने आए लोगों ने कहा कि माताजी ने जीवन भर जन कल्याण और आर्य समाज के लिए कार्य किया, जिसके लिए वह हमेशा याद की जाएंगी।

माता परमेश्वरी देवी जी का 20 जून को देहवासन हो गया था। 21 जून को उनका अंतिम संस्कार गांव खांडा खेड़ी में किया गया। इस दौरान स्वामी रामदेव सहित दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा, हरियाणा सरकार के मंत्रियों और अन्य नेताओं ने अंतिम दर्शन किए। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव, पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा, छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णु देव साय, कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा, कैबिनेट मंत्री महिपाल ढांडा, पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा, विधानसभा स्पीकर हरविंद्र कल्याण, जेजेपी लीडर अजय सिंह चौटाला, इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला, पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला, कैबिनेट मंत्री रणबीर, कैबिनेट मंत्री कृष्ण पंवार, डीजीपी शत्रुजीत कपूर, आईएएस अधिकारी पीके दास आदि ने सिंधु भवन में आयोजित शोक सभा में पहुंच कर माताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

माता जी ने परिवार को संस्कार दिए

यूपी के पूर्व विधायक सहेंद्र रमाला माता जी को श्रद्धांजलि देने के लिए पहुंचे। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय माताजी और स्वर्गीय चौ. मित्रसेन जी के दिए संस्कारों की वजह से परिवार जनहित के कार्य में लगा हुआ है। सिंधु परिवार को संस्कारों की वजह से पूरे देश में पहचान है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि इस दुख की घड़ी में परिवार को शक्ति प्रदान करे।

जीवन जन कल्याण में लगा दिया

पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने माता जी को रोहतक पहुंच कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा माता जी ने पूरा जीवन जन कल्याण में लगा दिया। उनकी वजह से न जाने कितने लोगों को भला हुआ है। इस क्रम को अब उनका परिवार आगे बढ़ाता रहेगा। उन्होंने कहा परमात्मा इस दुख की घड़ी में परिवार को ताकत प्रदान करे।

देशहित में कार्य कर रहा परिवार

राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि मां का चले जाना बहुत ही दुखद होता है। माता के बिना संसार अधूरा लगता है। परमपिता से प्रार्थना है कि उन्हें शक्ति प्रदान करे और माता जी को अपने श्री चरणों में स्थान दें। माताजी परमेश्वरी देवी जी और स्वर्गीय चौ. मित्रसेन जी के दिए संस्कार की वजह से परिवार एकजुट है और देश हित में कार्य कर रहा है।

पूरे समाज को प्रेरणा लेनी चाहिए

भारतीय जनता पार्टी के यूपी के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने रोहतक पहुंचकर माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि माता जी को अपने श्री चरणों में स्थान दे और परिवार को यह दुख सहने की की शक्ति प्रदान करें। उन्होंने कहा कि माता जी के त्याग, समर्पण और संस्कारों से पूरे समाज को प्रेरणा लेनी चाहिए।

श्रद्धासुमन अर्पित किए

मंत्रोचारण करतीं डॉ. सुकामा

श्रद्धांजलि अर्पित करतीं सावित्री जिंदल

पुष्पअर्पित करतीं वीसी डॉ. सुदेश छिकारा

शोक प्रकट करने पहुंचे पूर्व गृहमंत्री सुभाष बतरा

श्रद्धासुमन अर्पित किए

बाबा रामदेव के साथ कैप्टन रुद्रसेन सिंधु

कांग्रेस नेत्री अनिता यादव

कैप्टन अभिमन्यु से मिलते रामिबलास शर्मा

पूर्व सांसद संजय भाटिया और पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर

परमेश्वरी देवी ने परिवार को अच्छे कर्म सिखाए

मां का जाना बहुत दुखद होता है। मां के बिना संसार की कल्पना नहीं की जा सकती। माता परमेश्वरी देवी जी बहुत ही मेहनती और संस्कारी महिला थी। माताजी को श्रद्धांलति अर्पित की। साथ ही ईश्वर से परिवार के लिए प्रार्थना की कि उन्हें यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

-महामंडलेश्वर स्वामी परम चेतन्य महाराज

मेहनत और समर्पण से सभी को आगे बढ़ाया

माता परमेश्वरी देवी और स्वर्गीय मित्रसेन सिंधु जी की मेहनत और समर्पण ने परिवार को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अपने परिवार को अच्छे संस्कार और मूल्यों के साथ जीने के लिए प्रेरित किया, जो उनके बच्चों के भविष्य के लिए मजबूत आधार तैयार करता है।

- महामंडलेश्वर कर्णपुरी महाराज

परमेश्वरी देवी की भूमिका को भुलाया नहीं जा सकता

परमेश्वरी देवी जी को श्रद्धांजलि देने के लिए आए हैं। माता-पिता का परिवार में महत्वपूर्ण योगदान होता है। मां का दर्जा वास्तव में सबसे ऊंचा होता है और उनकी भूमिका को कभी भुलाया नहीं जा सकता। वे परिवार को एकजुट रखने और संस्कार देने में भूमिका निभाती थी।

-स्वामी नित्यानंद सरस्वती, आर्य समाज

परिवार को साथ रखना, संस्कार देना उपलब्धि

परमेश्वरी देवी जी को श्रद्धांजलि देने के लिए पुष्प अर्पित करना एक भावपूर्ण तरीका है। उनकी धार्मिक प्रवृत्ति और परिवार को अच्छे संस्कार देने की उनकी भूमिका की प्रशंसा की जानी चाहिए। परिवार को साथ रखना और उन्हें अच्छे संस्कार देना वास्तव उपलब्धि है।

- मनमोहन गोयल, पूर्व मेयर, रोहतक

माताजी का जीवन सादगी सेवा का प्रतीक

माता परमेश्वरी देवी जी का जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है। उनके परिवार में जो मूल्यों की नींव है, वह उनके ही कारण है। माताजी का जीवन सादगी, सेवा और श्रद्धा का प्रतीक था। परिवार ने एक मार्गदर्शक स्तंभ खो दिया है। उनकी कमी कभी पूरी नहीं हो पाएगी।

- नवीन दुल, भाजयुमो प्रदेश कार्यकारिणी

श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे प्रतिष्ठित लोगों ने माता जी को अपने शब्दों में दी पुष्पांजलि

माता परमेश्वरी देवी समाज के लिए प्रेरणास्रोत, हमेशा याद रहेंगी

परमेश्वरी देवी ने परिवार को अच्छे कर्मों पर चलने के लिए प्रेरित किया

माता परमेश्वरी देवी और स्वर्गीय मित्रसेन सिंधु जी ने जीवन भर मेहनत करके परिवार को आगे बढ़ाया। उन्होंने अपने परिवार को अच्छे कर्मों पर चलने के लिए प्रेरित किया और अच्छे संस्कार दिए। वहीं, आज कार्यक्रम के दौरान माता जी की वीडियों देखकर पता चला कि उन्होंने अपने बच्चों को कैसे आगे बढ़ाया है।

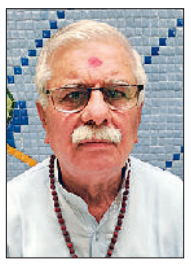

- रमेश भाटिया, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा

माता जी के दिए संस्कारों की झलक परिवार में दिखाई देती है

माता परमेश्वरी देवी जी ने अपना जीवन बहुत ही सादगी से बिताया। उनके दिए संस्कार की झलक परिवार में दिखाई देती है। वे माता जी को श्रद्धांजलि देते हैं और प्रार्थना करते है कि ईश्वर माता जी को अपने श्री चरणों में स्थान दे। माता परमेश्वरी देवी जी ने पूरे परिवार को संजो कर रखा है। यह पूरे समाज के लिए बेहतरीन उदाहरण है।

- मनोज मक्कड़, भाजपा वरिष्ठ नेता

परमेश्वरी देवी ने अपना जीवन सदैव दूसरों की मदद करने में बिताया

माता परमेश्वरी देवी जी का स्वभाव बहुत सरल था। उनका जीवन सादगी से भरा रहा। उन्होंने सिंधु परिवार को बहुत ही अच्छे संस्कार दिए। उनके जाने से समाज को जो क्षति हुई है उसकी भरपाई नहीं हो सकती। माता जी ने अपना जीवन सदैव दूसरों की मदद करने और जन कल्याण के कार्यों में बिताया है।

- गुलाब सिंह, चेयरमैन एपेक्स कलानौर

माता परमेश्वरी देवी धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी, सदा याद रहेंगी

परमेश्वरी देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। माता परमेश्वरी देवी धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी। उन्होंने अपने परिवार को अच्छे संस्कार दिए। उन्होंने पूरे परिवार को एक साथ रखा। यह बहुत बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि मां का दर्जा सबसे ऊंचा होता है। मां का चले जाना मतलब सब कुछ चले जाना।

- विजय आर्य, भाजपा नेता

मां बेशक चली गई हैं लेकिन उनका आशीर्वाद हमेशा रहेगा

स्वर्गीय माता परमेश्वरी देवी जी के आशीर्वाद से ही सिंधु परिवार ने हर क्षेत्र में तरक्की की है। मां बेशक चली गई हैं लेकिन मां का आशीर्वाद परिवार पर हमेशा रहेगा और ऐसे ही परिवार समाज और राष्ट्र की सेवा करता रहेगा। ऐसी संस्कारी मां, जिसने पूरे परिवार का एक साथ रखा।

- सुनीता चौहान, झज्जर भाजपा नेत्री

समाज को एकजुटता के साथ आगे बढ़ने का मार्ग दिखाया

माता परमेश्वरी देवी ने अपना पूरा जीवन समाज के उत्थान और आम लोगों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। परमेश्वरी देवी को एक धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी। जिन्होंने अपने परिवार को एकजुटता के साथ आगे बढ़ने का मार्ग दिखाया और समाज के लिए भी उल्लेखनीय कार्य किए।

- अतर यादव, पूर्व प्रधान ओबीसी, झज्जर